Title: Need to ban the publication of the history book being taught in Delhi University reported criticizing great Indian leaders and take stringent action against the author of the book.

श्री दिनशा पटेल (खेड़ा) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका और सदन का ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्िात करना चाहता हूं। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: There should be silence in the House.

...(*Interruptions*)

श्री दिनशा पटेल : 3 मई 2005 के 'दैनिक जागरण' तथा चैनल 7 द्वारा खबर प्रकाशित तथा प्रसारित की गई जिसमें एक किताब में सरदार पटेल, महात्मा गांधी तथा सुभा चंद्र बोस की निन्दा की गई है। सरदार पटेल के बारे में लिखा गया है कि गृह मंत्री होने के दौरान वे मनमानी करते थे और उनकी भूमिका शर्मनाक थी। सरदार पटेल उसका इस्तेमाल सांप्रदायिक दंगों को शांत करने के लिए नहीं बल्कि उन्हें बढ़ाने और मुसलमानों को दंगेबाज़ साबित करने में करते थे। जिस सरदार पटेल ने इस देश को एक किया, उनके बारे में यह पुस्तक विगत 25 वार्ों से दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास द्वितीय वर् पत्रकारिता के छात्रों को पढ़ाई जा रही है जो अत्यंत शर्मनाक बात है।

MR. SPEAKER: If you all read two pages, then how can I allow?

...(*Interruptions*)

श्री दिनशा पटेल : माननीय स्पीकर साहब, भारतीय संविधान के संबंध में भी इस पुस्तक में लिखा गया है कि इसे लीपा-पोती कर तैयार किया गया और अंग्रेज़ों के 1935 के एक्ट की ज्यादातर धाराओं की ज्यों की त्यों नकल की गई है। गांधी जी के बारे में लिखा है कि वे अहिंसा की आड़ में छिपी पराजय के शिकार थे। नेताजी सुभा चन्द्र बोस के बारे में कहा गया है कि â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इतनी डीटेल्स मत बोलिये।

श्री दिनशा पटेल : नेताजी के बारे में लिखा है कि वे फासिज्म की ओर ज्यादा झुके हुए थे. इस तरह से सुभा चन्द्र बोस की निन्दा भी की गई है। माननीय अध्यक्ष जी, आपसे अनुरोध है कि इस पुस्तक के प्रकाशक के खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएं और इस पुस्तक को प्रतिबंधित किया जाए। माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि महात्मा गांधी जी, सरदार पटेल, सुभा चन्द्र बोस और नेहरू अतीत नहीं थे, वे वर्तमान भी हैं और भविय भी हैं।

MR. SPEAKER: Shri Dinsha Patel, your matter is very important. That is why, I have allowed it to be raised. You have also very appropriately raised it.

...(*Interruptions*)

श्री दिनशा पटेल : इसीलिए सरकार को इस पर इमीडियेटली एक्शन लेना चाहिए।

MR. SPEAKER: It is for the Government to decide.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Amitava Nandy.

Please be brief. We are taking too much time. I am sorry, I cannot allow indefinitely.

...(*Interruptions*)